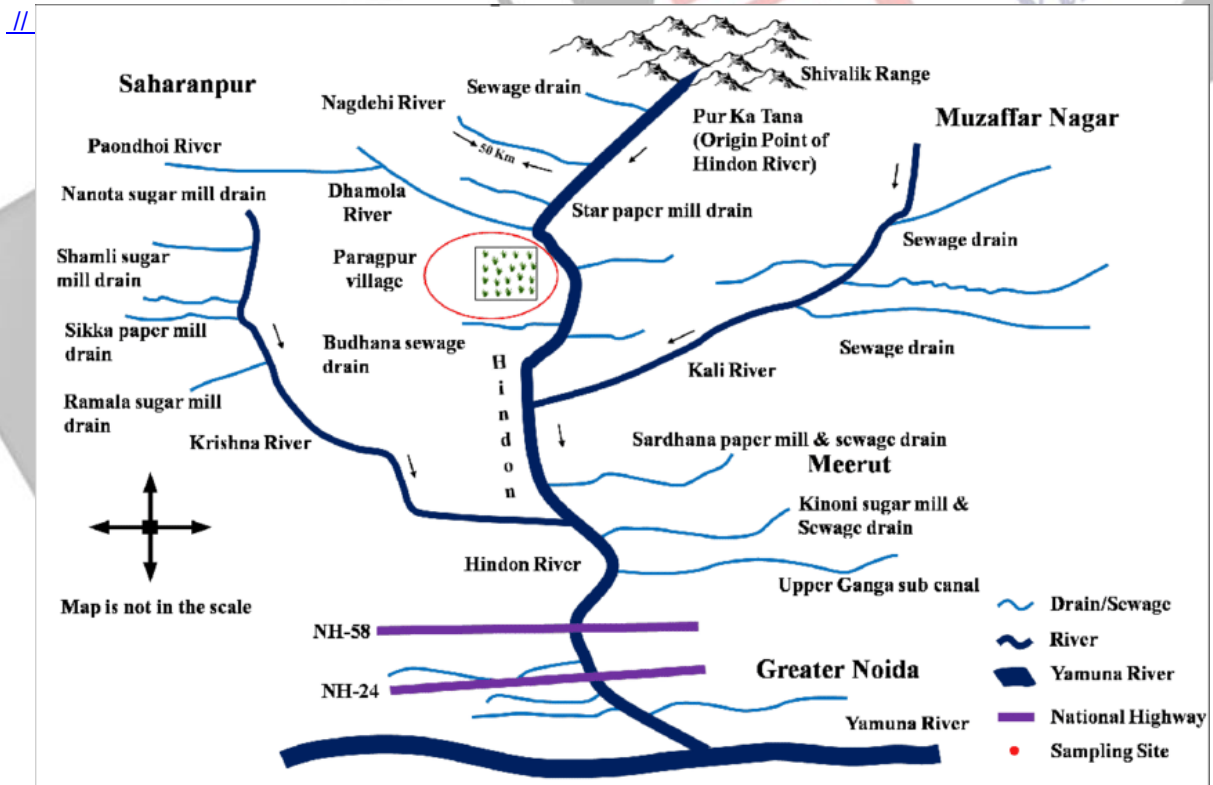


## हडिन नदी में प्रदूषण

**स्रोत: डाउन टू अर्थ**

यमुना की वर्षा आधारित सहायक नदी हडिन नदी अनुपचारित अपशिष्ट के नाले में बदल गई है, जो पर्यावरणीय क्षरण का प्रतीक है तथा पश्चिमी उत्तर प्रदेश में इसके औद्योगिक क्षेत्र के समुदायों के लिये खतरा उत्पन्न कर रही है।

- हडिन नदी उत्तर प्रदेश के सहारनपुर ज़िले में नमिन शिवालिक श्रेणी से निकलती है और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्र से होकर बहती है तथा नोएडा में यमुना में मिलने से पहले 400 किलोमीटर की दूरी तय करती है।
- नदी की प्रमुख सहायक नदियों में शामिल हैं: काली (पश्चिमी) नदी और कृष्णी नदी।
- ऐतिहासिक रूप से, हडिन नदी पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कृषि और मत्स्य पालन के लिये उपयोगी रही है। लेकिन औद्योगिकीकरण तथा शहरीकरण ने इसके पारिस्थितिक संतुलन को नष्ट कर दिया है।
- वर्ष 2015 में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) ने हडिन नदी को "मृत नदी" घोषित कर दिया था, जिसमें कहा गया था कि इसमें प्रदूषण का स्तर अत्यधिक है, विभिन्न भागों में यह स्नान के लिये अनुपयुक्त है।
  - मृत नदी वह जल निकाय है जो अत्यधिक प्रदूषण या पर्यावरणीय क्षरण के कारण जलीय जीवन और पारिस्थितिकी तंत्र के कार्यों को सहारा देने की अपनी क्षमता खो चुकी है।



और पढ़ें...

[यमुना नदी](#)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/pollution-in-hindon-river>

